Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
19 May

Quote of the Day

Result Mitra™

अगर आप सफल होना चाहते हो तो आपको अपने काम में एकाग्रता लानी होगी

Result Mitra

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

UPSC Mains Paper - 2

DAILY
CURRENT AFFAIRS

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- बीते दिनों भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच बलूचिस्तान के पाकिस्तान से आजादी की घोषणा कर दी है. बलूच नेता मीर यार ने ये घोषणा की है और भारत समेत अन्य देशों से समर्थन मांगा है.
- लेकिन बलूचिस्तान स्वतंत्रता क्यों चाहता है? इसका जवाब वहाँ के इतिहास, शोषण और सैन्यीकरण के जटिल मिश्रण में निहित है।

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

बलूचिस्तान का भूगोल

- बलूचिस्तान पाकिस्तान का दक्षिण-पश्चिमी और सबसे बड़ा प्रांत है, जो देश के कुल क्षेत्रफल का लगभग 44% भाग घेरता है।
- इसकी सीमाएँ उत्तर में अफगानिस्तान, पश्चिम में ईरान, दक्षिण में अरब सागर, और पूर्व में पाकिस्तान के अन्य प्रांतों जैसे पंजाब और सिंध से मिलती हैं।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

बलूचिस्तान का भूगोल

- यह क्षेत्र रेगिस्तानी, पहाड़ी और अर्ध-शुष्क जलवायु के लिए जाना जाता है।
- यहाँ सुलेमान पर्वत श्रृंखला, मकरान तटीय क्षेत्र, और दश्त-ए-लुत जैसे शुष्क मैदान मिलते हैं। इसके अधिकांश भूभाग में पानी की भारी कमी और बहुत कम वर्षा होती है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

बलूचिस्तान का भूगोल

- बारिश मुख्यतः सर्दियों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण होती है।
- बलूचिस्तान की महत्वपूर्ण नदियाँ: हिंगोल, दश्त, नारी और मोल्ला हैं।
- यहाँ की सबसे ऊँची पर्वत चोटी है जरगून पर्वत और प्रमुख शहरों में क्वेटा (राजधानी), ग्वादर, खुज़दार, और तुरबत शामिल हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

बलूचिस्तान का भूगोल

- बलूचिस्तान में अनेक खनिज संसाधन पाए जाते हैं - जैसे गैस, कोयला, तांबा, सोना और क्रोमाइट। प्रसिद्ध संदक परियोजना और रिको डिक परियोजना यहाँ के खनन क्षेत्र से जुड़ी हैं। यह क्षेत्र रणनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्वादर बंदरगाह यहीं स्थित है, जो चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (CPEC) का प्रमुख केंद्र है।
- बलूचिस्तान की आबादी सघन नहीं है और यहाँ के लोग मुख्यतः बलूच और पश्तून जातीय समूहों से आते हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

बलूचिस्तान का भूगोल

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- 1947 में पाकिस्तान के निर्माण के समय, बलूचिस्तान का मुख्य हिस्सा, कलात रियासत, तकनीकी रूप से स्वतंत्र थी।
- कलात के खान ने शुरू में पाकिस्तान में शामिल होने से इनकार कर दिया था। हालांकि, 1948 में सैन्य दबाव के तहत, कलात को पाकिस्तान में मिला लिया गया।

DAILY CURRENT AFFAIRS

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

बलूचिस्तान का भूगोल

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- बलूच राष्ट्रवादियों द्वारा इसे जबरन एकीकरण और अधीनता की शुरुआत माना जाता है।
- तब से वहाँ कई विद्रोह हुए हैं, जो स्व-शासन और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण की मांगों से प्रेरित हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

बलूचिस्तान का भूगोल

आर्थिक शोषण

- बलूचिस्तान प्राकृतिक गैस, कोयला, तांबा, सोना और अन्य खनिजों से समृद्ध है, फिर भी यह पाकिस्तान का सबसे गरीब प्रांत है।
- बलूचों का तर्क है कि इन संसाधनों का उपयोग मुख्य रूप से पंजाब सहित बाकी पाकिस्तान के लाभ के लिए किया जाता है, जबकि बलूच समुदाय अविकसित और गरीब बने हुए हैं।

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

बलूचिस्तान का भूगोल

उदाहरण के लिए:

- सुई गैस क्षेत्र: 1952 में खोजा गया यह क्षेत्र पाकिस्तान को ऊर्जा प्रदान करता है, लेकिन बलूचिस्तान के कई हिस्सों में गैस और बिजली की बुनियादी सुविधा नहीं है।

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

बलूचिस्तान का भूगोल

उदाहरण के लिए:

- चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) और ग्वादर बंदरगाह: इन परियोजनाओं से भारी निवेश आया, लेकिन स्थानीय आबादी को न्यूनतम लाभ मिला। कई बार उन्हें बिना उचित मुआवजे के विस्थापित किया गया।

DAILY CURRENT AFFAIRS

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

बलूचिस्तान का भूगोल

राजनीतिक हाशिए पर

- बलूच आवाजें संघीय सरकार में अक्सर कम प्रतिनिधित्व पाती हैं।
- स्थानीय नेता इस्लामाबाद पर चुनावों में हेरफेर और कठपुतली सरकारें स्थापित करने का आरोप लगाते हैं।
- प्रांतीय विधानसभाओं को बार-बार भंग करना और सैन्य हस्तक्षेप ने केंद्रीय राजनीतिक व्यवस्था में विश्वास को और कम किया है।

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

बलूचिस्तान का भूगोल

सैन्यीकरण और मानवाधिकार उल्लंघन

- पाकिस्तानी राज्य ने बलूच मांगों का जवाब अक्सर सैन्य दमन से दिया है। हजारों लोग — जिसमें कार्यकर्ता, छात्र और पत्रकार शामिल हैं — कथित तौर पर जबरन गायब किए गए, यातना का शिकार हुए या उनकी हत्या कर दी गई।

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

बलूचिस्तान का भूगोल

सैन्यीकरण और मानवाधिकार उल्लंघन

- ह्यूमन राइट्स वॉच और एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसी संस्थाओं ने "हत्या और लाश फेंकने" की नीति पर चिंता जताई है, जिसमें कार्यकर्ताओं को अपहरण के बाद मृत पाया जाता है।
- "लापता व्यक्ति" शब्द बलूचिस्तान में जीवन का एक दर्दनाक प्रतीक बन गया है।

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

बलूचिस्तान का भूगोल

सांस्कृतिक और जातीय पहचान

- बलूच लोगों की अपनी विशिष्ट भाषा, संस्कृति और इतिहास है।
- कई लोग महसूस करते हैं कि उनकी पहचान को एकरूप इस्लामी पाकिस्तानी राष्ट्रवाद, जो अक्सर पंजाबी और उर्दू भाषी अभिजनों द्वारा हावी है, से खतरा है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

बलूचिस्तान का भूगोल

सांस्कृतिक और जातीय पहचान

- बलूच सांस्कृतिक पहचान को मिटाने, उनकी भाषा को हाशिए पर धकेलने और बाहरी इतिहास को थोपने के प्रयासों ने आबादी, खासकर युवाओं, को और अधिक अलग-थलग कर दिया है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

हालिया स्थिति

- बलूच स्वतंत्रता आंदोलन खंडित लेकिन लगातार बना हुआ है। बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA), बलूच रिपब्लिकन आर्मी (BRA) जैसे समूह पाकिस्तानी सेना और बुनियादी ढांचे पर छिटपुट हमले करते हैं।

बलूचिस्तान: पाकिस्तान से आज़ादी क्यों चाहता है?

Result Mitra

हालिया स्थिति

- निर्वासन में, मेहरान मर्री और ब्रह्मदाग बुगती जैसे नेता बलूच मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाने की वकालत करते हैं।
- हालांकि आंदोलन में एकीकृत नेतृत्व की कमी है और इस पर विदेशी समर्थन (विशेष रूप से भारत से, पाकिस्तान के अनुसार) का आरोप लगता है, लेकिन जमीनी स्तर पर असंतोष गहरा और वास्तविक है।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: बलूचिस्तान के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1.बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे छोटा प्रांत है।

2. यहाँ की जलवायु मुख्यतः अर्ध-शुष्क और शीतोष्ण होती है, और वर्षा अधिकतर पश्चिमी विक्षोभ से होती है।

3. हिंगोल और मोल्ला यहाँ की प्रमुख नदियाँ हैं।

4. यहाँ का चाबहार बंदरगाह, चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा के अंतर्गत आता है।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

A) केवल 2 और 3

B) केवल 1 और 4

C) केवल 1, 2 और 4

D) केवल 3 और 4

Result Mitra

उत्तर: A) केवल 1

व्याख्या:

कथन 1: गलत

➢ बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है, न कि सबसे छोटा। यह पाकिस्तान के लगभग 44% क्षेत्रफल को घेरता है,

कथन 2: सही

➢ बलूचिस्तान की जलवायु अर्ध-शुष्क, रेगिस्तानी और पहाड़ी है। वर्षा बहुत कम होती है और यह मुख्यतः सर्दियों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण होती है, जो सही वर्णन है।

कथन 3: सही

➢ यहाँ की प्रमुख नदियाँ — हिंगोल, मारी, दश्त और मोल्ला — वास्तव में बलूचिस्तान में बहती हैं, अतः यह कथन सही है।

कथन 4: गलत

➢ चाबहार नही, ग्वादर बंदरगाह CPEC (China-Pakistan Economic Corridor) का एक प्रमुख हिस्सा है।

Result Mitra

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर POCSO अदालतें स्थापित करने का दिया निर्देश

UPSC Mains Paper - 2

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर POCSO अदालतें स्थापित करने का दिया निर्देश

Result Mitra™

चर्चा में क्यों?

- 15 मई 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और सभी राज्य सरकारों को यौन अपराधों से बालकों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम के तहत मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतें स्थापित करने का निर्देश दिया।

DAILY CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर POCSO अदालतें स्थापित करने का दिया निर्देश

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में स्वतः संज्ञान लेते हुए एक याचिका दर्ज की थी, जिसमें देश में बाल यौन शोषण के मामलों में वृद्धि पर चिंता जताई गई थी।
- फिलहाल न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने कहा कि विशेष POCSO अदालतों की कमी के कारण इन मामलों की सुनवाई में देरी हो रही है, जिससे अधिनियम में निर्धारित समयसीमा का पालन नहीं हो पा रहा है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर POCSO अदालतें स्थापित करने का दिया निर्देश

Result Mitra

सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देश

- **1. विशेष POCSO अदालतों की स्थापना:** प्रत्येक जिले में, जहां POCSO मामले 100 से अधिक हैं, वहां विशेष अदालतें स्थापित की जाएं। ये अदालतें केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित होंगी और इनमें बच्चे-अनुकूल वातावरण सुनिश्चित किया जाएगा।
- **2. अधिकारियों का संवेदीकरण:** POCSO मामलों से निपटने वाले अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर POCSO अदालतें स्थापित करने का दिया निर्देश

Result Mitra

सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देश

3. समयबद्ध जांच और सुनवाई:

- चार्जशीट दाखिल करने और सुनवाई को अधिनियम की समयसीमा के भीतर पूरा करने के लिए कदम उठाए जाएं।

4. फोरेंसिक प्रयोगशालाएं:

- POCSO मामलों की जांच को तेज करने के लिए समर्पित फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर POCSO अदालतें स्थापित करने का दिया निर्देश

Result Mitra

सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देश

- कोर्ट ने यह भी नोट किया कि तमिलनाडु, बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों ने अभी तक पर्याप्त POCSO अदालतें स्थापित नहीं की हैं, जिसके कारण मामले लंबित हैं।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर POCSO अदालतें स्थापित करने का दिया निर्देश

Result Mitra

POCSO अधिनियम के बारे में

- लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (POCSO) बच्चों को यौन शोषण, यौन उत्पीड़न और अश्लील साहित्य से बचाने के लिए बनाया गया एक व्यापक कानून है।
- इसे 14 नवंबर 2012 को लागू किया गया और यह 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सुरक्षा प्रदान करता है।

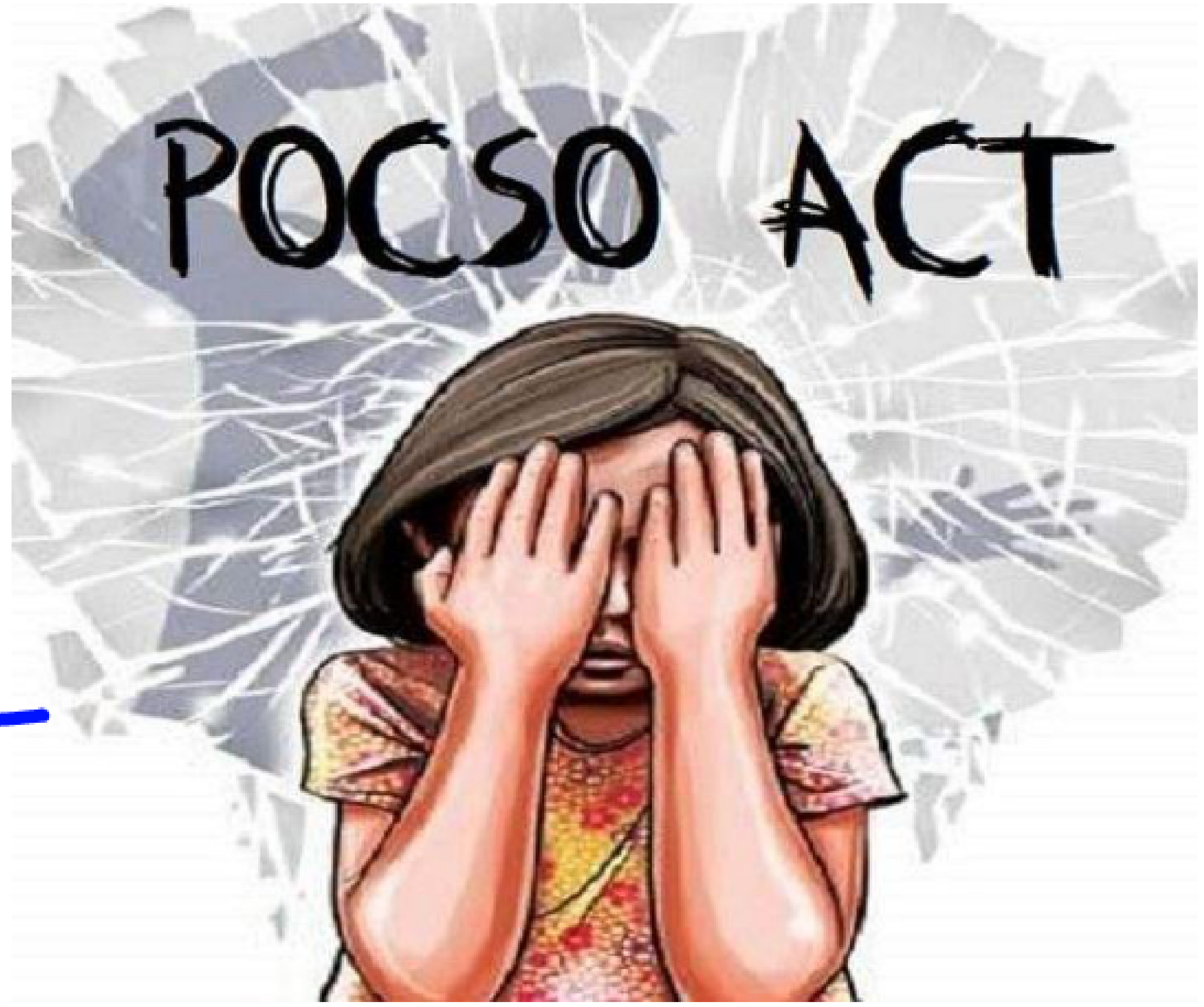

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर POCSO अदालतें स्थापित करने का दिया निर्देश

Result Mitra

POCSO अधिनियम के बारे में

प्रमुख विशेषताएं:

विशेष अदालतें:

- अधिनियम में बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों की स्थापना का प्रावधान है। ये अदालतें बालक-अनुकूल प्रक्रियाओं का पालन करती हैं।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर POCSO अदालतें स्थापित करने का दिया निर्देश

Result Mitra

POCSO अधिनियम के बारे में

प्रमुख विशेषताएं:

कठोर सजा:

- अपराध की गंभीरता के आधार पर 3 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा और जुर्माना लगाया जा सकता है। 2019 के संशोधन के बाद, 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के खिलाफ दुष्कर्म के लिए मृत्युदंड का प्रावधान जोड़ा गया।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर POCSO अदालतें स्थापित करने का दिया निर्देश

Result Mitra

POCSO अधिनियम के बारे में

प्रमुख विशेषताएं:

- **गैर-जमानती अपराध:** संशोधन के बाद, POCSO के तहत अपराध गैर-जमानती हैं, जिससे जमानत प्राप्त करना कठिन हो गया है।
- **बाल अधिकार:** यह अधिनियम संयुक्त राष्ट्र के बाल अधिकारों पर अभिसमय (1992) के अनुरूप है, जिसे भारत ने स्वीकार किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर POCSO अदालतें स्थापित करने का दिया निर्देश

Result Mitra

2019 संशोधन:

- POCSO संशोधन अधिनियम, 2019 ने सजा को और सख्त किया, जिसमें बाल अश्लील साहित्य के भंडारण और प्रसार को दंडनीय अपराध बनाया गया। यह बच्चों की सुरक्षा और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए महत्वपूर्ण है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर POCSO अदालतें स्थापित करने का दिया निर्देश

Result Mitra

2019 संशोधन:

POCSO कोर्ट का महत्व

बच्चों के अनुकूल वातावरण:

- ये अदालतें बच्चों की गरिमा और गोपनीयता को बनाए रखती हैं, जिससे पीड़ित बच्चे बिना डर के अपनी बात रख सकें।

त्वरित न्याय:

- समयबद्ध सुनवाई से पीड़ितों को जल्दी न्याय मिलता है और अपराधियों को सजा सुनिश्चित होती है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर POCSO अदालतें स्थापित करने का दिया निर्देश

Result Mitra

संबंधित केस

1. स्वतः संज्ञान मामला (2019):

- सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में बाल बलात्कार मामलों में वृद्धि के समाचारों के आधार पर स्वतः संज्ञान लिया। इसके बाद देश भर में POCSO अदालतें स्थापित करने के निर्देश दिए गए।

DAILY CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर POCSO अदालतें स्थापित करने का दिया निर्देश

Result Mitra

संबंधित केस

2. सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला (2024):

- सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में यह माना कि बाल अश्लील साहित्य को डाउनलोड करना, देखना और साझा करना POCSO अधिनियम के तहत अपराध है। कोर्ट ने संसद को "चाइल्ड पोर्नोग्राफी" शब्द को "चाइल्ड यौन शोषण और अपमानजनक सामग्री" से बदलने का सुझाव दिया।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर POCSO अदालतें स्थापित करने का दिया निर्देश

Result Mitra

संबंधित केस

3. इलाहाबाद हाई कोर्ट (2025):

- कोर्ट ने कहा कि POCSO अधिनियम का उद्देश्य सहमति से बने किशोर रोमांटिक संबंधों को अपराध बनाना नहीं है। यह किशोरों की स्वायत्तता और कानून के दुरुपयोग पर चिंता को दर्शाता है।

DAILY

CURRENT AFFAIRS

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर POCSO अदालतें स्थापित करने का दिया निर्देश

Result Mitra

संबंधित केस

4. दिल्ली हाई कोर्ट (2024):

- कोर्ट ने स्पष्ट किया कि POCSO अधिनियम के तहत महिलाएं भी पेनेट्रेटिव यौन हमले के लिए आरोपी हो सकती हैं, जिससे कानून की लिंग-तटस्थता पर जोर दिया गया।

16 F / 16 M

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (POCSO) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1.यह अधिनियम केवल 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सुरक्षा प्रदान करता है।

2. इस अधिनियम के तहत अपराध गैर-जमानती हैं।

3. यह अधिनियम संयुक्त राष्ट्र के बाल अधिकारों पर अभिसमय के अनुरूप है।

4. इस अधिनियम के तहत विशेष अदालतों की स्थापना का प्रावधान है।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

A) केवल 1 और 4 B) केवल 2 और 3

C) केवल 1, 2 और 4 D) केवल 2, 3 और 4

CURRENT AFFAIRS QUIZ

उत्तर: D) केवल 2, 3 और 4

व्याख्या:

कथन 1: गलत

- POCSO अधिनियम 18 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को सुरक्षा प्रदान करता है, न कि केवल 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को।

कथन 2: सही

- 2019 के संशोधन के बाद, अधिनियम के तहत अपराध गैर-जमानती हो गए हैं और इनके लिए कठोर सजा का प्रावधान है, जिसमें 3 वर्ष से आजीवन कारावास तक की सजा शामिल है। गंभीर मामलों में मृत्युदंड का प्रावधान भी किया गया है।

कथन 3: सही

- यह अधिनियम UN Convention on the Rights of the Child (1992) के अनुरूप बनाया गया है, जिसे भारत ने स्वीकार किया था।

कथन 4: सही

- POCSO अधिनियम के अंतर्गत विशेष अदालतों की स्थापना का स्पष्ट प्रावधान है ताकि बच्चों के मामलों की तेज़ और संवेदनशील सुनवाई हो सके।

भारत-पाकिस्तान टकराव के बाद IAEA ने परमाणु रिसाव की अफवाहों को किया खारिज

UPSC Mains Paper - 2

Result Mitra™

DAILY CURRENT AFFAIRS

भारत-पाकिस्तान टकराव के बाद IAEA ने परमाणु रिसाव की अफवाहों को किया खारिज

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- 15 मई 2025 को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) ने भारत और पाकिस्तान के बीच हाल के सैन्य टकराव (ऑपरेशन सिंदूर) के बाद पाकिस्तान में किसी भी परमाणु सुविधा से रेडिएशन रिसाव की अफवाहों को खारिज किया।
- इस टकराव के दौरान भारत ने पाकिस्तान के सरगोधा में किराना हिल्स के पास एक प्रमुख वायुसेना अड्डे को निशाना बनाया था, जहां कथित तौर पर परमाणु प्रतिष्ठान मौजूद हैं।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत-पाकिस्तान टकराव के बाद IAEA ने परमाणु रिसाव की अफवाहों को किया खारिज

चर्चा में क्यों?

- भारतीय वायुसेना के डीजी एयर ऑपरेशंस, एयर मार्शल एके भारती ने स्पष्ट किया कि किराना हिल्स में कोई लक्ष्य नहीं लिया गया।
- IAEA की इस पुष्टि ने क्षेत्रीय परमाणु सुरक्षा और वैश्विक निगरानी के मुद्दे को फिर से चर्चा में ला दिया।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत-पाकिस्तान टकराव के बाद IAEA ने परमाणु रिसाव की अफवाहों को किया खारिज

Result Mitra

IAEA के बारे में

- अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) की स्थापना 1957 में अमेरिकी राष्ट्रपति ड्वाइट डी. आइजनहावर के "Atoms for Peace" भाषण के बाद हुई थी।
- इसका मुख्य उद्देश्य परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना और सैन्य उद्देश्यों के लिए इसके दुरुपयोग को रोकना है।

IAEA
International Atomic Energy Agency

DAILY CURRENT AFFAIRS

भारत-पाकिस्तान टकराव के बाद IAEA ने परमाणु रिसाव की अफवाहों को किया खारिज

Result Mitra

IAEA के बारे में

- IAEA का मुख्यालय वियना, ऑस्ट्रिया में है, और यह संयुक्त राष्ट्र महासभा और सुरक्षा परिषद को रिपोर्ट करता है।
- 2005 में IAEA और इसके तत्कालीन महानिदेशक मोहम्मद अल-बरादेई को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

DAILY CURRENT AFFAIRS

भारत-पाकिस्तान टकराव के बाद IAEA ने परमाणु रिसाव की अफवाहों को किया खारिज

Result Mitra

IAEA के बारे में

IAEA के प्रमुख कार्य:

- परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के लिए अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहन।
- परमाणु गतिविधियों की निगरानी के लिए सुरक्षा उपाय लागू करना।
- परमाणु सुरक्षा मानकों को बढ़ावा देना और आपातकालीन स्थिति में सहायता प्रदान करना (जैसे 2009 में स्थापित इंसीडेंट एंड इमरजेंसी सेंटर)।

DAILY CURRENT AFFAIRS

भारत-पाकिस्तान टकराव के बाद IAEA ने परमाणु रिसाव की अफवाहों को किया खारिज

Result Mitra

IAEA के बारे में

IAEA सुरक्षा उपाय:

तीन प्रकार के सुरक्षा समझौते हैं:

- 1. NPT के गैर-परमाणु हथियार देशों के साथ व्यापक सुरक्षा समझौते।
- 2. NPT के परमाणु हथियार देशों के साथ स्वैच्छिक पेशकश समझौते।
- 3. गैर-NPT देशों के साथ वस्तु-विशिष्ट समझौते।

भारत-पाकिस्तान टकराव के बाद IAEA ने परमाणु रिसाव की अफवाहों को किया खारिज

Result Mitra

IAEA के बारे में

IAEA सुरक्षा उपाय:

- भारत, पाकिस्तान और इजरायल ने गैर-NPT देशों के रूप में वस्तु-विशिष्ट समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।
- 2014 में भारत ने अतिरिक्त प्रोटोकॉल (AP) को मंजूरी दी, जिससे IAEA को भारत के नागरिक परमाणु कार्यक्रम तक अधिक पहुंच मिली।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत-पाकिस्तान टकराव के बाद IAEA ने परमाणु रिसाव की अफवाहों को किया खारिज

Result Mitra

परमाणु अप्रसार संधि (NPT)

- परमाणु अप्रसार संधि (NPT) एक अंतरराष्ट्रीय संधि है, जिसका उद्देश्य परमाणु हथियारों और तकनीक के प्रसार को रोकना, शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा उपयोग को बढ़ावा देना और पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण की दिशा में काम करना है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

भारत-पाकिस्तान टकराव के बाद IAEA ने परमाणु रिसाव की अफवाहों को किया खारिज

Result Mitra

परमाणु अप्रसार संधि (NPT)

- 1968 में आस्तित्व में आई और 1970 में लागू हुई ।
- NPT में 191 देश हस्ताक्षरकर्ता हैं, जो इसे सबसे व्यापक हथियार नियंत्रण संधि बनाता है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत-पाकिस्तान टकराव के बाद IAEA ने परमाणु रिसाव की अफवाहों को किया खारिज

Result Mitra

परमाणु अप्रसार संधि (NPT)

NPT के तीन स्तंभ:

- 1. अप्रसार: गैर-परमाणु हथियार देश परमाणु हथियार विकसित नहीं करेंगे।
- 2. निरस्त्रीकरण: परमाणु हथियार देश अपने शस्त्रागार को कम करने की दिशा में काम करेंगे।
- 3. शांतिपूर्ण उपयोग: सभी देशों को परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग का अधिकार।

DAILY CURRENT AFFAIRS

भारत-पाकिस्तान टकराव के बाद IAEA ने परमाणु रिसाव की अफवाहों को किया खारिज

Result Mitra

भारत और NPT

- भारत, पाकिस्तान, इजरायल और उत्तर कोरिया ने NPT पर हस्ताक्षर नहीं किए।
- भारत इसे भेदभावपूर्ण मानता है, क्योंकि यह केवल 1 जनवरी 1967 से पहले परमाणु परीक्षण करने वाले देशों (अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन) को परमाणु हथियार देश के रूप में मान्यता देता है।
- भारत ने 1974 और 1998 में परमाणु परीक्षण किए, जिसके कारण वह NPT के बाहर रहा।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

भारत-पाकिस्तान टकराव के बाद IAEA ने परमाणु रिसाव की अफवाहों को किया खारिज

Result Mitra

वैश्विक परमाणु निर्यात नियंत्रण व्यवस्था

न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप (NSG):

- 1974 में भारत के परमाणु परीक्षण के बाद स्थापित, यह 48 देशों का समूह परमाणु उपकरण और सामग्री के निर्यात को नियंत्रित करता है। भारत ने 2008 में NSG से छूट प्राप्त की, जिससे वह गैर-NPT देश होते हुए भी परमाणु व्यापार कर सकता है। हालांकि, चीन भारत की पूर्ण सदस्यता का विरोध करता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

भारत-पाकिस्तान टकराव के बाद IAEA ने परमाणु रिसाव की अफवाहों को किया खारिज

Result Mitra

वैश्विक परमाणु निर्यात नियंत्रण व्यवस्था

मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रिजीम (MTCR):

- 1987 में स्थापित, यह मिसाइलों और संबंधित तकनीक के प्रसार को सीमित करता है। भारत 2016 में सदस्य बना।

ऑस्ट्रेलिया ग्रुप:

- रासायनिक और जैविक हथियारों के प्रसार को रोकने के लिए 1985 में स्थापित। भारत 2018 में सदस्य बना।

DAILY CURRENT AFFAIRS

भारत-पाकिस्तान टकराव के बाद IAEA ने परमाणु रिसाव की अफवाहों को किया खारिज

Result Mitra

वैश्विक परमाणु निर्यात नियंत्रण व्यवस्था

वासेनार व्यवस्था (WA):

- 1996 में स्थापित, यह पारंपरिक हथियारों और दोहरे उपयोग की वस्तुओं के हस्तांतरण में पारदर्शिता को बढ़ावा देता है। भारत 2017 में सदस्य बना।

भारत-पाकिस्तान टकराव के बाद IAEA ने परमाणु रिसाव की अफवाहों को किया खारिज

Result Mitra

भारत सहित अन्य देशों की परमाणु शक्ति

1. भारत:

- भारत के पास अनुमानित 164 परमाणु हथियार हैं और वह परमाणु त्रिकोण (ICBM, SLBM, और हवाई हमले) को मजबूत करने पर काम कर रहा है।

2. पाकिस्तान:

- पाकिस्तान के पास लगभग 170 परमाणु हथियार हैं।

भारत-पाकिस्तान टकराव के बाद IAEA ने परमाणु रिसाव की अफवाहों को किया खारिज

Result Mitra

भारत सहित अन्य देशों की परमाणु शक्ति

3. अन्य देश:

- NPT के पांच परमाणु हथियार देश (अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन) के पास कुल 13,400 युद्धक हथियार हैं।
- इजरायल और उत्तर कोरिया भी परमाणु शक्ति संपन्न हैं लेकिन NPT से बाहर हैं।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न : अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसकी स्थापना संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के तहत 1945 में की गई थी।
2. इसका मुख्य उद्देश्य परमाणु ऊर्जा के सैन्य उपयोग को बढ़ावा देना है।
3. यह , संयुक्त राष्ट्र महासभा और सुरक्षा परिषद को रिपोर्ट करता है।
4. 2005 में इसे नोबेल शांति पुरस्कार मिला था।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

A) केवल 1 और 2

B) केवल 3 और 4

C) केवल 2, 3 और 4

D) केवल 1, 3 और 4

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

उत्तर: B) केवल 3 और 4

व्याख्या:

कथन 1: गलत

➢ IAEA की स्थापना 1957 में की गई थी, न कि 1945 में। इसकी प्रेरणा अमेरिकी राष्ट्रपति आइज़नहावर के "Atoms for Peace" भाषण (1953) से मिली थी।

कथन 2: गलत

➢ IAEA का उद्देश्य परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना और इसके सैन्य दुरुपयोग को रोकना है। अतः यह कथन इसके उद्देश्य को विपरीत रूप में प्रस्तुत करता है।

कथन 3: सही

➢ IAEA एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय संगठन है, लेकिन यह संयुक्त राष्ट्र महासभा और सुरक्षा परिषद को रिपोर्ट करता है,

कथन 4: सही

➢ 2005 में IAEA और इसके तत्कालीन महानिदेशक मोहम्मद अल-बरादेई को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

सिक्किम के स्थापना के 50 साल पूरे

UPSC Mains Paper - 2

Result Mitra

DAILY CURRENT AFFAIRS

सिक्किम के स्थापना के 50 साल पूरे

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- 16 मई 2025 को सिक्किम ने भारत के 22वें राज्य के रूप में अपनी स्थापना के 50 साल पूरे किए।
- यह स्वर्ण जयंती उत्सव देश के लिए गर्व का क्षण है, क्योंकि सिक्किम ने जैविक खेती, जलवायु संरक्षण और समावेशी विकास में उल्लेखनीय प्रगति की है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

सिक्किम के स्थापना के 50 साल पूरे

Result Mitra

सिक्किम का इतिहास

- सिक्किम का इतिहास लेप्चा जनजातियों और तिब्बती प्रवासियों के संपर्क से शुरू होता है।
- 8वीं शताब्दी में बौद्ध संत गुरु रिनपोछे ने सिक्किम का दौरा किया और बौद्ध धर्म का प्रचार किया।

सिक्किम के स्थापना के 50 साल पूरे

Result Mitra

सिक्किम का इतिहास

- 1642 में फुन्त्सोंग नामग्याल को तीन तिब्बती भिक्षुओं ने सिक्किम का पहला चोग्याल (राजा) घोषित किया, जिससे नामग्याल राजवंश की स्थापना हुई, जो 333 वर्षों तक चली।
- 18वीं और 19वीं शताब्दी में सिक्किम को नेपाल, भूटान और ब्रिटिश आक्रमणों का सामना करना पड़ा।

DAILY CURRENT AFFAIRS

सिक्किम के स्थापना के 50 साल पूरे

Result Mitra

सिक्किम का इतिहास

- 1861 की तुम्लोंग संधि के तहत सिक्किम ब्रिटिश संरक्षित राज्य बना।
- 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, सिक्किम ने भारत में विलय को अस्वीकार कर संरक्षित राज्य का दर्जा चुना, जिसमें भारत ने रक्षा और विदेशी मामलों की जिम्मेदारी संभाली।

DAILY

CURRENT AFFAIRS

सिक्किम के स्थापना के 50 साल पूरे

Result Mitra

सिक्किम का इतिहास

- 1960 के दशक में राजनीतिक अस्थिरता और सिक्किम नेशनल कांग्रेस की लोकतंत्र की मांग ने चोग्याल शासन को कमजोर किया।
- 1973 में राजभवन के सामने दंगों के बाद भारत ने सिक्किम पर प्रशासनिक नियंत्रण बढ़ाया।

DAILY CURRENT AFFAIRS

सिक्किम के स्थापना के 50 साल पूरे

Result Mitra

सिक्किम पूर्ण राज्य कैसे बना?

- 1970 के दशक तक सिक्किम में राजशाही के खिलाफ आंदोलन तेज हो गए।
- 1973 में चोग्याल शासन के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शनों ने प्रशासन को पंगु कर दिया।
- 6 अप्रैल 1975 को भारतीय सेना ने चोग्याल के राजमहल को घेर लिया और 243 गार्डों को नियंत्रित कर चोग्याल को नजरबंद कर दिया।

DAILY CURRENT AFFAIRS

सिक्किम के स्थापना के 50 साल पूरे

Result Mitra

सिक्किम पूर्ण राज्य कैसे बना?

- 14 अप्रैल 1975 को जनमत संग्रह में 97.5% जनता ने भारत में विलय के पक्ष में मतदान किया।
- 23 अप्रैल 1975 को लोकसभा में 36वां संविधान संशोधन विधेयक पेश हुआ, जिसे 26 अप्रैल को पारित किया गया।

DAILY

CURRENT AFFAIRS

सिक्किम के स्थापना के 50 साल पूरे

सिक्किम पूर्ण राज्य कैसे बना?

- 15 मई 1975 को राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने इस पर हस्ताक्षर किए, और 16 मई 1975 को सिक्किम औपचारिक रूप से भारत का 22वां राज्य बना।
- इस विलय को चीन ने विरोध किया, जो आज भी सिक्किम की सीमा को लेकर विवाद पैदा करता है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

सिक्किम के स्थापना के 50 साल पूरे

Result Mitra

सिक्किम की भौगोलिक विशेषताएं

- सिक्किम, पूर्वी हिमालय में स्थित, भारत का दूसरा सबसे छोटा राज्य है, जिसका क्षेत्रफल 7,096 वर्ग किलोमीटर है।
- यह नेपाल, भूटान, चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र और पश्चिम बंगाल से घिरा है।

DAILY CURRENT AFFAIRS

सिक्किम के स्थापना के 50 साल पूरे

Result Mitra

सिक्किम की भौगोलिक विशेषताएं

पर्वत:

- कंचनजंगा, विश्व की तीसरी सबसे ऊंची चोटी (8,586 मीटर), सिक्किम-नेपाल सीमा पर स्थित है।

नदियां:

- तीस्ता नदी, सिक्किम की जीवन रेखा, उत्तर से दक्षिण बहती है। रंगीत, रांगपो और लाचुंग अन्य प्रमुख नदियां हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

सिक्किम के स्थापना के 50 साल पूरे

सिक्किम की भौगोलिक विशेषताएं

जैव विविधता:

- लगभग 35% क्षेत्र कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान (यूनेस्को विश्व धरोहर) से आच्छादित है।

मिट्टी और भूस्खलन:

- सिक्किम की मिट्टी भूरी मृत्तिका और उथली है, भारी बारिश के कारण भूस्खलन आम हैं, जो संपर्क मार्गों को प्रभावित करते हैं।

सिक्किम के स्थापना के 50 साल पूरे

Result Mitra

सिक्किम के विशेष अनुबंध या छूट

सिक्किम को संविधान के अनुच्छेद 371F के तहत विशेष दर्जा प्राप्त है, जो 36वें संशोधन (1975) के तहत लागू हुआ।

प्रमुख प्रावधान:

- सिक्किम विधानसभा को अपनी परंपराओं और हितों के अनुरूप कानून बनाने का अधिकार।
- सिक्किम के पुराने कानूनों और परंपराओं को संरक्षण, जब तक उन्हें संशोधित न किया जाए।

DAILY CURRENT AFFAIRS

सिक्किम के स्थापना के 50 साल पूरे

Result Mitra

सिक्किम के विशेष अनुबंध या छूट

प्रमुख प्रावधान:

- भारत के अन्य कानून सिक्किम पर तभी लागू होते हैं, जब राज्य विधानसभा सहमति दे।
- सिक्किम में भूमि और संपत्ति के स्वामित्व पर प्रतिबंध हैं, जो बाहरी लोगों को जमीन खरीदने से रोकते हैं, ताकि स्थानीय संस्कृति और संसाधन सुरक्षित रहें।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन-से कथन सिक्किम के ऐतिहासिक और भौगोलिक संदर्भ में सही हैं?

1.सिक्किम में बौद्ध धर्म का प्रचार 8वीं शताब्दी में गुरु रिनपोछे द्वारा किया गया था।

2. 1975 में 36वां संविधान संशोधन पारित करके सिक्किम भारत का पूर्ण राज्य बना।

3. कंचनजंगा पर्वत सिक्किम और भूटान की सीमा पर स्थित है।

4. तीस्ता नदी सिक्किम की प्रमुख नदी है जो उत्तर से दक्षिण बहती है।

सही उत्तर चुनिए:

A) केवल 1, 2 और 3

B) केवल 1, 2 और 4

C) केवल 1 और 4

D) केवल 2, 3 और 4

Result Mitra

उत्तर: B) केवल 1, 2 और 4

व्याख्या:

कथन 1: सही

- 8वीं शताब्दी में बौद्ध संत गुरु रिनपोछे (Padmasambhava) ने सिक्किम का दौरा किया और वहाँ बौद्ध धर्म का प्रचार किया। यह सिक्किम की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत की शुरुआत मानी जाती है।

कथन 2: सही

- 6 अप्रैल 1975 को चोग्याल को भारतीय सेना द्वारा नजरबंद किया गया और 14 अप्रैल को जनमत संग्रह हुआ। इसके पश्चात 36वां संविधान संशोधन विधेयक 23 अप्रैल को पेश और 26 अप्रैल को पारित किया गया, जिससे सिक्किम भारत का पूर्ण राज्य बना।

कथन 3: गलत

- कंचनजंगा पर्वत वास्तव में सिक्किम और नेपाल की सीमा पर स्थित है, भूटान से इसकी सीमा नहीं लगती। अतः यह कथन गलत है।

कथन 4: सही

- तीस्ता नदी सिक्किम की प्रमुख नदी है जो राज्य में उत्तर से दक्षिण दिशा में बहती है। इसके अलावा रंगीत, लाचुंग आदि सहायक नदियाँ हैं।

12 साल बाद केशव प्रयाग में पुष्कर कुंभ शुरू

UPSC Mains Paper - 1

DAILY CURRENT AFFAIRS

12 साल बाद केशव प्रयाग में पुष्कर कुंभ शुरू

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- 16 मई 2025 को उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित माणा गांव के केशव प्रयाग में 12 वर्षों बाद पुष्कर कुंभ का आयोजन शुरु हुआ।
- यह आयोजन बद्रीनाथ धाम से मात्र 3 किलोमीटर दूर अलकनंदा और सरस्वती नदियों के संगम पर हो रहा है।
- पुष्कर कुंभ का आयोजन तब होता है, जब बृहस्पति ग्रह 12 वर्षों में मिथुन राशि में प्रवेश करता है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

12 साल बाद केशव प्रयाग में पुष्कर कुंभ शुरू

Result Mitra

पुष्कर कुंभ के बारे में

- पुष्कर कुंभ एक दुर्लभ धार्मिक आयोजन है, जो हर 12 वर्षों में माणा गांव के केशव प्रयाग में आयोजित होता है।
- यह मुख्य रूप से दक्षिण भारत की वैष्णव परंपरा से जुड़ा है, जिसमें श्रद्धालु अलकनंदा और सरस्वती नदियों के संगम पर स्नान करते हैं।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

12 साल बाद केशव प्रयाग में पुष्कर कुंभ शुरू

पुष्कर कुंभ के बारे में

- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस स्नान से पापों का नाश होता है और पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- पौराणिक कथाओं के अनुसार, महर्षि वेदव्यास ने केशव प्रयाग में तपस्या कर महाभारत की रचना की थी।

DAILY CURRENT AFFAIRS

12 साल बाद केशव प्रयाग में पुष्कर कुंभ शुरू

Result Mitra™

पुष्कर कुंभ के बारे में

- साथ ही, दक्षिण भारत के आचार्य रामानुजाचार्य और माधवाचार्य ने यहीं माँ सरस्वती से ज्ञान प्राप्त किया था।
- पुष्कर कुंभ का महत्व केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक भी है। यह उत्तर और दक्षिण भारत की वैदिक परंपराओं को एक मंच पर लाता है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

12 साल बाद केशव प्रयाग में पुष्कर कुंभ शुरू

Result Mitra

उत्तराखंड के पंच प्रयाग

उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में पांच पवित्र नदी संगम, जिन्हें पंच प्रयाग कहा जाता है, हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माने जाते हैं।

- ये प्रयाग बद्रीनाथ मार्ग पर स्थित हैं और इनमें स्नान करने से पुण्य और मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- **1. विष्णुप्रयाग:** चमोली जिले में अलकनंदा और धौलीगंगा नदियों का संगम। यहाँ नारद ऋषि ने भगवान विष्णु की तपस्या की थी, जिसके बाद भगवान ने उन्हें दर्शन दिए।

12 साल बाद केशव प्रयाग में पुष्कर कुंभ शुरू

Result Mitra

उत्तराखंड के पंच प्रयाग

2. नंदप्रयागः

- अलकनंदा और नंदाकिनी नदियों का संगम। पौराणिक कथा के अनुसार, नंद महाराज ने यहाँ भगवान नारायण की तपस्या की थी।

3. कर्णप्रयागः

- अलकनंदा और पिंडर नदियों का संगम। यह कर्ण की तपस्थली मानी जाती है, जहाँ कृष्ण ने कर्ण का अंतिम संस्कार किया था। उमा मंदिर, जिसे आदि शंकराचार्य ने स्थापित किया, यहाँ का आकर्षण है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

12 साल बाद केशव प्रयाग में पुष्कर कुंभ शुरू

Result Mitra

उत्तराखंड के पंच प्रयाग

4. रुद्रप्रयाग:

- अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों का संगम। नारद मुनि ने यहाँ भगवान रुद्र की तपस्या की थी।

5. देवप्रयाग:

- अलकनंदा और भागीरथी नदियों का संगम, जहाँ से गंगा नदी का उद्गम माना जाता है। यह भगवान राम की तपस्थली मानी जाती है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

12 साल बाद केशव प्रयाग में पुष्कर कुंभ शुरू

उत्तराखंड के पंच प्रयाग

- इन प्रयागों में स्नान और पिंडदान का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यहाँ स्नान करने से पापों का नाश और पितरों को मोक्ष प्राप्त होता है।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: पुष्कर कुंभ के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. हर 12 वर्षों में उस समय आयोजित होता है जब बृहस्पति ग्रह मिथुन राशि में प्रवेश करता है।

2. यह आयोजन केशव प्रयाग में अलकनंदा और भागीरथी नदियों के संगम पर आयोजित होता है।

इनमें से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

A) केवल 1

B) केवल 2

C) दोनों 1 और 2

D) न तो 1 और न ही 2

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

उत्तर: A) केवल 1

व्याख्या:

- कथन 1: सही
- पुष्कर कुंभ का आयोजन हर 12 वर्षों में तब होता है जब बृहस्पति ग्रह मिथुन राशि में प्रवेश करता है। यह खगोलीय स्थिति इस आयोजन की प्रमुख धार्मिक पृष्ठभूमि है।
- कथन 2: गलत
- पुष्कर कुंभ का आयोजन अलकनंदा और सरस्वती नदियों के संगम पर होता है, न कि भागीरथी के साथ। यह संगम माणा गांव के केशव प्रयाग में स्थित है, जो बद्रीनाथ धाम से लगभग 3 किलोमीटर दूर है।

पहली बार मंथली जॉब रिपोर्ट जारी, अप्रैल 2025 में 5.1 फीसदी रही बेरोजगारी दर

UPSC Prelims Paper - 1

पहली बार मंथली जॉब रिपोर्ट जारी, अप्रैल 2025 में 5.1 फीसदी रही बेरोजगारी दर

Result Mitra

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने भारत में पहली बार मासिक रोजगार आंकड़े जारी किए।
- अब तक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) के आंकड़े तिमाही और वार्षिक आधार पर जारी होते थे, लेकिन मासिक डेटा नीति निर्माताओं को रोजगार नीतियों में त्वरित सुधार करने में मदद करेगा।

DAILY CURRENT AFFAIRS

पहली बार मंथली जॉब रिपोर्ट जारी, अप्रैल 2025 में 5.1 फीसदी रही बेरोजगारी दर

Result Mitra

बेरोजगारी दर का विवरण

- PLFS के मासिक बुलेटिन के अनुसार, अप्रैल 2025 में बेरोजगारी दर (Unemployment Rate - UR) 5.1% रही।
- यह आंकड़ा वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (Current Weekly Status - CWS) पर आधारित है, जो सर्वेक्षण से पहले 7 दिनों की रोजगार गतिविधियों को दर्शाता है।

पहली बार मंथली जॉब रिपोर्ट जारी, अप्रैल 2025 में 5.1 फीसदी रही बेरोजगारी दर

Result Mitra

प्रमुख निष्कर्ष:

लैंगिक अंतर:

- पुरुषों में बेरोजगारी दर 5.2% और महिलाओं में 5.0% रही।

क्षेत्रीय अंतर:

- शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 6.5% और ग्रामीण क्षेत्रों में 4.5% थी।

DAILY CURRENT AFFAIRS

पहली बार मंथली जॉब रिपोर्ट जारी, अप्रैल 2025 में 5.1 फीसदी रही बेरोजगारी दर

Result Mitra

प्रमुख निष्कर्ष:

युवा बेरोजगारी:

- 15-29 आयु वर्ग में बेरोजगारी दर 13.8% थी। शहरी क्षेत्रों में यह 17.2% और ग्रामीण क्षेत्रों में 12.3% रही।

महिलाओं में बेरोजगारी:

- 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में बेरोजगारी दर राष्ट्रीय स्तर पर 14.4% थी, जिसमें शहरी क्षेत्रों में 23.7% और ग्रामीण क्षेत्रों में 10.7% दर्ज की गई। पुरुषों में यह दर 13.6% थी।

पहली बार मंथली जॉब रिपोर्ट जारी, अप्रैल 2025 में 5.1 फीसदी रही बेरोजगारी दर

प्रमुख निष्कर्ष:

- ये आंकड़े शहरी क्षेत्रों, खासकर युवा महिलाओं में उच्च बेरोजगारी की ओर इशारा करते हैं, जो रोजगार नीतियों में सुधार की आवश्यकता को दर्शाते हैं।

DAILY CURRENT AFFAIRS

पहली बार मंथली जॉब रिपोर्ट जारी, अप्रैल 2025 में 5.1 फीसदी रही बेरोजगारी दर

Result Mitra

श्रम बल भागीदारी दर (LFPR)

- श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) - कुल जनसंख्या में उन लोगों का प्रतिशत दर्शाती है, जो कार्यरत हैं या काम की तलाश में हैं।

अप्रैल 2025 के आंकड़े:

- राष्ट्रीय स्तर: LFPR 55.6% रही।
- क्षेत्रीय अंतर: ग्रामीण क्षेत्रों में 58.0% और शहरी क्षेत्रों में 50.7%।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

पहली बार मंथली जॉब रिपोर्ट जारी, अप्रैल 2025 में 5.1 फीसदी रही बेरोजगारी दर

Result Mitra

श्रम बल भागीदारी दर (LFPR)

लैंगिक अंतर:

- पुरुष: ग्रामीण क्षेत्रों में 79.0%, शहरी क्षेत्रों में 75.3%।
- महिला: ग्रामीण क्षेत्रों में 38.2%, शहरी क्षेत्रों में 27.8%।

महिलाओं की कम LFPR, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में, यह दर्शाती है कि कई महिलाएं अनौपचारिक क्षेत्रों या बिना वेतन वाले कार्यों (जैसे कृषि) में लगी हैं।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

पहली बार मंथली जॉब रिपोर्ट जारी, अप्रैल 2025 में 5.1 फीसदी रही बेरोजगारी दर

श्रमिक जनसंख्या अनुपात (WPR)

- श्रमिक जनसंख्या अनुपात (WPR) - कुल जनसंख्या में कार्यरत लोगों का प्रतिशत दर्शाता है।

अप्रैल 2025 के आंकड़े:

- राष्ट्रीय स्तर: WPR 52.8% रहा।
- क्षेत्रीय अंतर: ग्रामीण क्षेत्रों में 55.4%, शहरी क्षेत्रों में 47.4%।

पहली बार मंथली जॉब रिपोर्ट जारी, अप्रैल 2025 में 5.1 फीसदी रही बेरोजगारी दर

Result Mitra

श्रमिक जनसंख्या अनुपात (WPR)

लैंगिक अंतर:

- महिलाएं: ग्रामीण क्षेत्रों में 36.8%, शहरी क्षेत्रों में 23.5%, राष्ट्रीय स्तर पर 32.5%।
- पुरुष: ग्रामीण क्षेत्रों में 74.1%, शहरी क्षेत्रों में 67.2%।

WPR का कम होना, विशेष रूप से शहरी महिलाओं में, रोजगार सृजन की चुनौतियों को उजागर करता है।

पहली बार मंथली जॉब रिपोर्ट जारी, अप्रैल 2025 में 5.1 फीसदी रही बेरोजगारी दर

Result Mitra

सर्वेक्षण का दायरा

- PLFS के लिए अप्रैल 2025 में देशभर में 89,434 परिवारों का सर्वे किया गया, जिसमें कुल 3,80,838 व्यक्तियों को सर्वे में शामिल किया गया। यह व्यापक सर्वेक्षण श्रम बाजार की स्थिति को समझने में महत्वपूर्ण है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

पहली बार मंथली जॉब रिपोर्ट जारी, अप्रैल 2025 में 5.1 फीसदी रही बेरोजगारी दर

Result Mitra

PLFS का महत्व

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSSO) ने अप्रैल 2017 में शुरु किया था।

इसके दो मुख्य उद्देश्य हैं:

- 1. शहरी क्षेत्रों में तिमाही आधार पर CWS के तहत बेरोजगारी दर, WPR, और LFPR जैसे संकेतकों का अनुमान लगाना।
- 2. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में वार्षिक आधार पर सामान्य स्थिति (Usual Status) और CWS के तहत रोजगार संकेतकों का विश्लेषण करना।

पहली बार मंथली जॉब रिपोर्ट जारी, अप्रैल 2025 में 5.1 फीसदी रही बेरोजगारी दर

Result Mitra

PLFS का महत्व

इसके दो मुख्य उद्देश्य हैं:

- मासिक डेटा की शुरुआत से सरकार को श्रम बाजार की गतिशीलता को बेहतर ढंग से समझने और नीतिगत हस्तक्षेप करने में मदद मिलेगी।
- यह अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के मानकों के अनुरूप है।

DAILY
CURRENT AFFAIRS

पहली बार मंथली जॉब रिपोर्ट जारी, अप्रैल 2025 में 5.1 फीसदी रही बेरोजगारी दर

चुनौतियां और निहितार्थ

- **शहरी बेरोजगारी:** शहरी क्षेत्रों में उच्च बेरोजगारी, खासकर युवा महिलाओं में, औपचारिक रोजगार के अवसरों की कमी को दर्शाती है।
- **महिला भागीदारी:** कम LFPR और WPR महिलाओं के लिए रोजगार सृजन और कौशल विकास की आवश्यकता को उजागर करते हैं।
- **युवा बेरोजगारी:** 15-29 आयु वर्ग में उच्च बेरोजगारी शिक्षा और रोजगार के बीच बेमेल को दर्शाती है।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: भारत सरकार द्वारा अप्रैल 2025 के लिए जारी मासिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) आंकड़ों के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1.शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक है, विशेषकर युवा महिलाओं में।

2. महिलाओं की कुल बेरोजगारी दर पुरुषों से अधिक है, जो लैंगिक असमानता को दर्शाता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A) केवल 1

B) केवल 2

C) दोनों 1 और 2

D) न तो 1 और न ही 2

Result Mitra

उत्तर: A) केवल 1

व्याख्या:

कथन 1: सही

- शहरी बेरोजगारी दर (कुल): 6.5%
- ग्रामीण बेरोजगारी दर (कुल): 4.5%
- युवा महिलाएं (15–29 वर्ष) — शहरी: 23.7%
- युवा महिलाएं — ग्रामीण: 10.7%
- यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि शहरी क्षेत्रों में, विशेषकर युवा महिलाओं में बेरोजगारी बहुत अधिक है, जो इस कथन को सही बनाता है।

कथन 2: गलत

- महिलाओं की कुल बेरोजगारी दर: 5.0%
- पुरुषों की कुल बेरोजगारी दर: 5.2%
- महिलाओं की कुल बेरोजगारी दर पुरुषों से कम है, इसलिए यह कथन गलत है।

Thank You